मां दुर्गा का दूसरा स्वरूप माता ब्रह्मचारिणी

WWW.पत्रिका.भारत

शुभ नवरात्र

राजस्थान पत्रिका

पत्रिका Fri, 22 September 2017
epaper.patrika.com//c/22348409

कृषि विश्वविद्यालय

किसानों को मिलेगी तकनीकी मदद

पत्रिका डवलपमेंट ड्राइव

कृषि मंत्री ने किया गुणवत्ता सुधार केन्द्र का शिलान्यास

कोटा . कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को कृषि मंत्री प्रभूलाल सैनी ने कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र का शिलान्यास किया। इस पर करीब 292.70 लाख रुपए खर्च होंगे। इस केन्द्र में कृषि म्यूजियम, सभागार, स्मार्ट क्लास, वीडियो कॉन्फ्रेंस रूम एवं कियोस्क का निर्माण किया जाएगा।

इस केन्द्र से संबंधित तीन रिसोर्स सेन्टर कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़, सवाईमाधोपुर एवं अन्ता पर स्थापित किए जाएंगे। यह केन्द्र कृषकों के लिए कृषि संबंधी नवीनतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एकल खिड़की का कार्य करेगा। जिसमें किसानों को कृषि सलाह सेवा हेतु कॉल सेन्टर, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग, आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य प्रसार गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।

मॉडल डेयरी फार्म का अवलोकन करते कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी।

मॉडल डेयरी इकाई भी खुली

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर निर्मित मॉडल डेयरी इकाई का उद्घाटन भी कृषि मंत्री ने किया। उन्होंने बताया कि ए-2 दूध की भारी मांग को देखते हुए देशी गायों की उत्पादकता बढ़ाकर किसानों की आय में बढ़ोतरी की जा सकती है। मुम्बई एवं दिल्ली में यह दूध 100 से 200 रुपए प्रति लीटर तक बिक रहा है। मॉडल डेयरी में 16 गिर नस्ल की गायें खरीदी गई हैं। इससे प्रेरित होकर कोटा ज़िले में 40 युवाओं ने स्वयं की डेयरी स्थापित की है। परियोजना के प्रभारी डॉ. महेन्द्र गर्ग ने बताया कि हाड़ौती संभाग में पानी व हरा चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने से डेयरी उद्योग का अच्छा भविष्य है।

इनका किया अवलोकन

मंत्री ने दलहन सीड हब के तहत उत्पादन किए जा रहे मूंग, उड़द की फसलों व कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा की खाद्य प्रसंस्करण इकाई के सोयाबीन प्रसंस्करण प्लान्ट का भी अवलोकन किया। सोया मिल्क के प्रोसेस को देखा।

इनका किया सम्मान

मंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण के प्रशिक्षार्थियों एवं सफल उद्यमियों से भी चर्चा की तथा सफल उद्यमियों को उनके द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। इस मौके पर सैनी ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। कृषक अपने खेतों पर यदि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना करते है तो राज्य सरकार 40 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय कोटा के न्यूज लेटर का विमोचन किया। मंत्री ने कृषि अनुसंधान केन्द्र उम्मेदगंज में कृषि अनुसंधान के विभिन्न प्रयोगों का अवलोकन किया।

आयोजन में कुलपति प्रो. जी.एल. केशवा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. के.एम. गौतम, अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रताप सिंह, मानव संसाधन विकास के निदेशक डॉ. के.एन. ओझा, पी.एम.ई निदेशक डॉ. ममता तिवारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा के प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, भाजपा शहर अध्यक्ष हेमन्त विजय, देहात जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह, थोक फल सब्जी मंडी के चेयरमैन ओम मालव आदि मौजूद रहे।

समारोह | कृषिमंत्री ने गुणवत्ता सुधार केंद्र का शिलान्यास, मॉडर्न डेयरी का लोकार्पण किया

3 करोड़ रुपए से बनेगा गुणवत्ता सुधार केंद्र मार्च तक होगा पूरा, मिलेंगी नई जानकारियां

सिटी रिपोर्टर | कोटा

एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के बोरखेड़ा कृषि विज्ञान केंद्र पर बनने वाले कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन व गुणवत्ता सुधार केंद्र का शिलान्यास कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने किया। संभावना जताई जा रही है कि यह मार्च तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद यहां किसानों को उन्नत खाद, बीज सहित अन्य नवाचारों की जानकारी दी जाएगी और उन्हें प्रशिक्षण भी मिलेगा। वहीं, कृषिमंत्री ने मॉडर्न डेयरी का लोकार्पण किया। उन्होंने यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के साथ उम्मेद गंज कृषि अनुसंधान की विजिट भी की।

संपदा अधिकारी वीके जैन ने उन्हें गुणवत्ता सुधार केंद्र के बारे में विस्तार से बताया। जैन ने कहा कि यह पूरा प्रोजेक्ट करीब 3 करोड़ रुपए का है और निर्माण में 110 लाख रुपए लगेंगे। इसमें एक म्यूजियम होगा, इसमें उन्नत बीज, खाद और कृषि क्षेत्र में होने वाले नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। आवश्यकता होने पर किसानों को ट्रेंड भी किया जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षण हाल बनाया गया है।

कृषि विश्वविद्यालय में भूमि पूजन करते हुए कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी।

इसके अलावा दो बिक्री केंद्र भी होंगे, जहां बीज और खाद भी मिलेंगे। मार्च तक यह प्रोजेक्ट पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद कृषिमंत्री मॉडर्न डेयरी पहुंचे और वहां लोकार्पण किया। वहां उन्होंने आधुनिक डेयरी प्लांट को देखा और गायों व उनके रख-रखाव की जानकारी ली। डॉ. महेंद्र गर्ग ने बताया कि यहां गुजरात से 16 गायों को लाया गया है। यहां गायों की दूध उत्पादक बढ़ाया जाएगा और किसानों को इसकी जानकारी दी जाएगी। यहां मशीनों से दूध निकाला जा रहा है और सीधा टैंक में जाकर पैक हो जाएगा।

इसके अलावा यहां 10 घनमीटर का गोबर गैस प्लांट भी बनाया गया है। इससे बिजली उत्पादन होगा। 10 बीघा में जैविक खेती भी की जाएगी। किसानों के लिए प्रशिक्षण हाल भी बनाया गया है। इस दौरान कुलपति डॉ. जीएल केशवा, डायरेक्टर एसके गौतम, डॉ. प्रतापसिंह, एलके दशोरा, केएन ओझा, ममता तिवारी सहित अधिकारी मौजूद थे। वहीं भाजपा शहर अध्यक्ष हेमंत विजय और देहात अध्यक्ष जयवीर सिंह मौजूद थे।

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केंद्र का शिलान्यास, मॉडल डेयरी का उद्घाटन

आने वाला समय कृषि में नवाचार का : सैनी

नवज्योति/कोटा

कृषि मंत्री ने कृषि विश्वविद्यालय कोटा में 292.70 लाख की लागत से बनने आले कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के शिलान्यास और नव निर्मित मॉडल डेयरी इकाई का उद्घाटन किया। सैनी ने कहा कि युवा स्वरोजगार हेतु प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन आधारित लघु उद्योगों की स्थापना कर सफल उद्यमी बने यही कृषि का मूलमंत्र है। आने वाला समय खेती का है नवाचार अपनाकर कृषि प्रसंस्करण एवं दुग्ध व्यवसाय के क्षेत्र में नया मुकाम हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर हेमन्त विजयवर्गीय, जयवीरसिंह अमृतकुआ, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. के.एम. गौतम, अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रताप सिंह, निदेषक मानव संसाधन विकास डॉ. के.एन. ओझा, निदेषक पी.एम.ई डॉ. ममता तिवारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा के प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, सयुक्त निदेषक कृषि पीके गुप्ता सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

ऐसा होगा प्रौद्योगिकी प्रबन्धन ता गुणवत्ता सुधार केंद्र

केन्द्र में कृषि म्यूजियम, सभागार, स्मार्ट क्लास, विडियों कॉन्फ्रेंस रूम एवं कियोस्क का निर्माण होगा। इस केन्द्र से सम्बन्धित तीन रिसोर्स सेन्टर कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़, सवाईमाधोपुर एवं अन्ता पर स्थापित किए जायेंगे। यह केन्द्र कृषकों के लिए कृषि सम्बन्धी नवीनतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एकल खिड़की का कार्य करेगा, जिसमें किसानों को कृषि सलाह

शिलान्यास पट्टिका का अनावरण करते कृषि मंत्री।

सेवा हेतु कॉल सेन्टर, विडियों कॉन्फ्रेन्सिंग, आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य प्रसार गतिविधियों का संचालन किया जायेगा। कृषि सूचना के साथ-साथ यह केन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर उत्पादित गुणवत्ता युक्त बीज, अन्य कृषि आदान व प्रसंस्करित एवं मूल्य संवर्धित उत्पादों का विक्रय भी किया जावेगा।

मॉडल डेयरी से मिलेगी युवाओं को प्रेरणा

प्रभारी डॉ. महेन्द्र गर्ग ने बताया कि मॉडल डेयरी में 16 गिर नस्ल की गायें खरीदी गई। इसके माध्यम से ग्रामीण युवाओं को डेयरी प्रबन्धन का कौशल उन्नयन प्रषिक्षण दिया जाता है। इससे प्रेरित होकर कोटा जिले में 40 युवाओं द्वारा स्वयं की डेयरी स्थापित की गई है। इस योजना के अन्तर्गत 132 बायोगैस संयत्र 2 क्यूबिक मीटर के किसानों के यहाँ लगाये गये है तथा पशुओं को दूध बढ़ाने के लिए दाना व मिनरल मिक्चर भी लगभग 2000 पशुपालकों को दिया गया। हाड़ौती सम्भाग में पानी व हरा चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने से डेयरी उद्योग का अच्छा भविष्य है।